

हाथी गलियारों में भूदृश्य पारस्थितिकी

स्रोत: डाउन टू अर्थ

हाल ही में केवल क्षेत्र विशेष पर निर्भर रहने के बजाय हाथी गलियारों को प्रभावी ढंग से पहचानने और पुनर्स्थापित करने के लिये भूदृश्य पारस्थितिकी महत्वपूर्ण हो गई है।

- भूदृश्य पारस्थितिकी एक परदृश्य के अस्थायी (समय-संबंधित) और स्थानिक (अंतरिक्ष-संबंधित) पहलुओं तथा जीवों के मध्य परस्पर क्रिया का अध्ययन है।
- मुख्य क्षेत्रों एवं गलियारों का पता लगाने में प्रगतिके साथ भूदृश्य पारस्थितिकी अधिक सटीक हो गई है और अब यह तीन कारकों पर आधारित है: फील्ड डेटा का गहन उपयोग, भौगोलिक सूचना प्रणाली (Geographic Information Systems-GIS) में सुधार तथा भू-स्थानिक डेटा व अनुकूलित एल्गोरिदम की उपलब्धता।

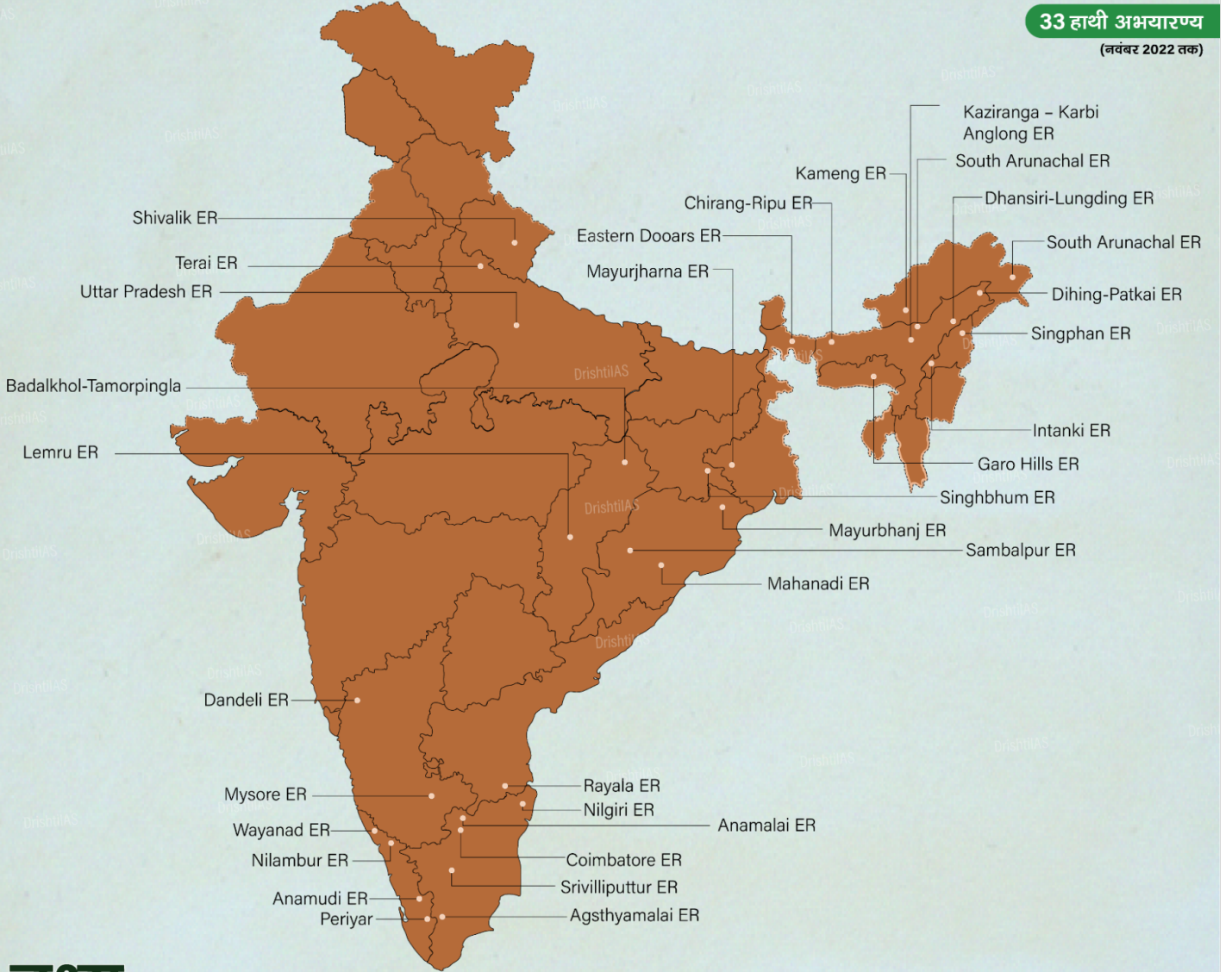
हाथी गलियारे क्या हैं?

- परिचय:
 - हाथी गलियारों को भूमि के एक खंड के रूप में वर्णित किया जा सकता है जो हाथियों के दो अथवा दो से अधिक अनुकूल आवास स्थानों के बीच आवागमन में सुलभता प्रदान करता है।
- भारत में हाथी गलियारों की स्थिति:
 - भारत के एलीफेंट कॉरडोर से प्रमुख नविकरण, 2023 रिपोर्ट:
 - इस रिपोर्ट में 62 नए गलियारों की वृद्धि पर प्रकाश डाला गया है, जो वर्ष 2010 के बाद से बने गलियारों में 40% की वृद्धि को दर्शाते हैं। वर्तमान में भारत में कुल 150 गलियारे मौजूद हैं।
 - पश्चिम बंगाल में सबसे अधिक हाथी गलियारे हैं, जिनकी कुल संख्या 26 है, जो कुल गलियारों का 17% है।
 - पूर्वी-मध्य क्षेत्र 35% (52 गलियारे) का योगदान देता है तथा उत्तर-पूर्वी क्षेत्र 32% (48 गलियारे) के साथ दूसरा सबसे बड़ा क्षेत्र है।
 - दक्षिणी भारत में 32 हाथी गलियारे पंजीकृत हैं, जो कुल गलियारों का 21% है, जबकि उत्तरी भारत में सबसे कम 18 गलियारे हैं, जो कश्मिर में मौजूद कुल गलियारों का 12% हैं।
 - हाथियों ने महाराष्ट्र के वडिर्भ क्षेत्र और कर्नाटक की सीमा से लगे दक्षिणी महाराष्ट्र में अपनी सीमा का विस्तार किया है।

हाथी अभयारण्य

33 हाथी अभयारण्य

(नवंबर 2022 तक)



तथ्य

- भारत में तमिलनाडु और असम में हाथी अभयारण्य/एलीफेंट रिजर्व की संख्या सबसे अधिक (5) है।
- भारतीय हाथी (*Elephas maximus*) को भारतीय वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची I और CITES के परिशिष्ट I में शामिल किया गया है।
- भारतीय हाथी को प्रवासी प्रजातियों पर अभिसमय के परिशिष्ट I और IUCN रेड लिस्ट में 'लुप्तप्राय/संकटग्रस्त' (Endangered) के रूप में भी सूचीबद्ध किया गया है।
- वर्ष 2010 में हाथी को भारत का राष्ट्रीय विरासत पशु घोषित किया गया था।
- MoEFCC हाथी परियोजना/प्रोजेक्ट एलीफेंट के माध्यम से देश के प्रमुख हाथी रेंज राज्यों को वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करता है। हाथी परियोजना को भारत सरकार द्वारा वर्ष 1992 में केंद्र प्रायोजित योजना के रूप में शुरू किया गया था।



हाथी:

■ भारत में हाथी:

- भारत में **हाथी** को **प्रमुख प्रजाति** के साथ-साथ **प्राकृतिक विरासत** पशु होने का भी गौरव प्राप्त है।
- भारत में **जंगली एशियाई हाथियों की संख्या सबसे अधिक** है। देश में हाथियों की कुल आबादी 30,000 से अधिक होने का अनुमान है।
- भारत में **हाथियों की सबसे अधिक आबादी कर्नाटक** में है।

■ संरक्षण की स्थिति:

- प्रवासी प्रजातियों का सम्मेलन (CMS): परशिष्ट।
- वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972: अनुसूची।
- अंतरराष्ट्रीय प्रकृतिसंरक्षण संघ (IUCN) की संकटग्रस्त प्रजातियों की रेड लिस्ट:

- एशियाई हाथी: लुप्तप्राय
- अफ्रीकी वन हाथी: गंभीर रूप से लुप्तप्राय
- अफ्रीकी सवाना हाथी: लुप्तप्राय

■ संरक्षणात्मक प्रयास:

- भारत:
 - गज यात्रा
 - प्रोजेक्ट एलीफेंट
- विश्वस्तरीय कार्यक्रम:
 - हाथियों की अवैध हत्या की निगरानी (MIKE) कार्यक्रम
 - विश्व हाथी दविस

हाथी



हाथी की 4 मुख्य प्रजातियाँ

प्रजातियाँ	जहाँ पाई जाती हैं	IUCN रेड लिस्ट में दर्ज स्थिति	अधिवास
भारतीय	एशिया	संकटग्रस्त (CITES - परिशिष्ट I, WPA - अनुसूची I)	उष्णकटिबंधीय एवं उपोष्ण शुष्क एवं नम पृथुपर्णी (चौड़े पत्तेदार) वन, घास के मैदान
सुमात्राई	एशिया	गंभीर संकटग्रस्त	उष्णकटिबंधीय नम पृथुपर्णी (चौड़े पत्तेदार) वन
सवाना (बुश)	अफ्रीका	संकटग्रस्त	मध्य अफ्रीका के घने उष्णकटिबंधीय वनों को छोड़कर पूरे उप-सहारा अफ्रीका में
अफ्रीकी वन्य हाथी	अफ्रीका	गंभीर संकटग्रस्त	घने उष्णकटिबंधीय वन

भारतीय हाथी (Elephas maximus)

एशियाई महाद्वीप पर सबसे बड़ा स्तनपायी जीव
भारत का राष्ट्रीय धरोहर पशु

■ प्रमुख खतरे:

- घटते आवास
- मानव-हाथी संघर्ष
- हाथीदांत के लिये अवैध शिकार
- पालन में दुर्व्यवहार

■ संरक्षण के प्रयास:

- गज सूचना ऐप (2022)
- गज यात्रा (2017)
- हाथी मेरे साथी अभियान (2011)
- राष्ट्रीय हाथी गलियारा परियोजना (2005)
- हाथियों की अवैध हत्या की निगरानी (माइक) कार्यक्रम (2003)
- प्रोजेक्ट एलिफेंट (1992)

■ हाथियों की अधिकतम आबादी वाले शीर्ष 5 भारतीय राज्य:

(हाथी जनगणना 2017 के अनुसार)

- कर्नाटक > असम > केरल > तमिलनाडु > ओडिशा

■ सामाजिक संरचना:

- नर की तुलना में मादा हाथी अधिक सामाजिक होती हैं; जो कि झुंड में (आमतौर पर 5-7) रहती हैं
- जिसका नेतृत्व सबसे बुजुर्ग मादा हाथी करती है
- नर आमतौर पर अकेले रहते हैं

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

?????????:

प्रश्न. भारतीय हाथियों के संदर्भ में नमिनलिखित कथनों पर वचिार कीजयि: (2020)

1. हाथयिों के समूह का नेतृत्व मादा करती है ।
2. हाथी की अधकितम गर्भावध 22 माह तक हो सकती है ।
3. सामान्यत: हाथी में 40 वर्ष की आयु तक ही संतति पैदा करने की क्षमता होती है ।
4. भारत के राज्यों में हाथयिों की सर्वाधकि संख्या केरल में है ।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 4
- (c) केवल 3
- (d) केवल 1, 3 और 4

उत्तर: (A)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/landscape-ecology-in-elephant-corridors>

